Vol 2 Issue 11 May 2013

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

GoldenResearch Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 11, May. 2013
ISSN:-2231-5063

Available online at www.aygrt.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

लखीसराय जिला के अनुसूचित जाति में साक्षरता का वितरण प्रतिरुप

GAUTAM PANDEY

M.A (Geography)
T.M.B.U. Bhagalpur.

सारांशः

लखीसराय जिला बिहार राज्य के अंतर्गत मध्य गंगा मैदान का एक भाग है। यह उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से बना एक मैदानी भाग है जिसके कुछ भाग पर पहाड़ियाँ भी मिलती है। प्रस्तुत अध्ययन में यहाँ अनुसूचित जाति में साक्षरता के प्रखण्ड स्तर पर वितरण को दर्शाने का प्रयास किया गया है। यह अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। आंकड़ों की प्राप्ति भारतीय जनगणना– 2001 तथा District census handbook of lakhisarai से प्राप्त किया गया है। महिला–पुरूष साक्षरता असमानता सूचकांक ज्ञात करने के लिए Sopher's Disparity Index का प्रयोग किया गया है, जो त्ंव ंदक ज्ञनदकन द्वारा संशोधित है। जिले में अनुसूचित जाति में साक्षरता का स्तर इसी वर्ग में राष्ट्रीय स्तर तथा राज्य स्तर दोनों से कम है। इसके साथ साक्षरता के प्रखण्ड स्तर पर वितरण में भी असमानता है। सभी प्रखण्डों में पुरूषों में साक्षरता दर महिलाओं के साक्षरता दर से उच्च है। निम्न आय स्तर, लैंगिक पूर्वाग्रह, शिक्षण संस्थानों की कमी तथा जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण है।

परिभाषिक शब्द :–

साक्षरता, मानव विकास सूचकांक, अनुसूचित जाति, लैंगिकक पूर्वाग्रह, परम्परावादी समाज

परिचय

किसी देश अथवा सामाजिक वर्ग में साक्षर जनसंख्या का अनुपात उसके सामाजिक अर्थिक विकास का संकेतक होता है। क्योंकि इससे रहन–सहन के स्तर, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, शैक्षनिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा सरकार की नीतियों पता चलता है। 'आर्थिक विकास का स्तर साक्षरता का कारण और परिणाम दोनों ही है। किसी समाजिक वर्ग में पढ़–लिख सकने वाले व्यक्तियों की संस्था यह दर्शाती है कि उस वर्ग में ज्ञान का पहुँच किना आसान अथवा मुश्किल है। (मानव भूगोल के मूल सिद्धांत वर्ग ग्प्ए छब्म्त्ज) एक पढ़ा लिखा व्यक्ति ही अपने अधिकारों का उचित प्रयोग तथा कर्तव्यों का सम्यक वालन कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या आयोग के अनुसार उस व्यक्ति को साक्षर माना गया है जो किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़–लिख तथा समक्ष सकता है।

Title :'लखीसराय जिला के अनुसूचित जाति में साक्षरता का वितरण प्रतिरुप
Source:Golden Research Thoughts [2231-5063] GAUTAM PANDEY yr:2013 vol:2 iss:11

DSpace™

भारतीय जनगणना विभाग ने इसी परिभाषा को अपनाया है। (Dhanawade, 2008) संयुक्त राष्ट्र ने मानव विकास सूचकांक (HDI) के निर्धारण में साक्षरता को एक महत्वपूर्ण कारक माना है।

अनुसूचित जाति भारतीय समाज की वैसी जाति है जो सदियों से विकास के दौड़ में पीछे रही है। इस वर्ग में साक्षरता का स्तर निम्न है। (54.70%) (2001), जबकि भारत में औसत साक्षरता दर 64.36% (2001) है। इसका कारण यह कि इस वर्ग में प्रति व्यक्ति आप काफी कम है, जबकि जन्मदर, मृत्युदर, जनसंख्या वृद्धि दर, प्रति महिला उत्पादकता, शिशु मृत्यु दर का अनुपात उच्च है। इन सभी कारणों का प्रभाव यह है कि इनका जीवन स्तर बहुत ही निम्न कोटि का है। भारतीय जनगणना आयोग ने 2001 में बिहार की 23 जातियों को अनुसूचित जाति में अधिसूचित किया है।

अध्ययन क्षेत्र :–

लखीसराय जिला बिहार राज्य के मुंगेर प्रमंडल का एक जिला है। 3 जुलाई 1994 ई. को यह मुंगेर जिला से अलग होकर वर्तमान रूप में आया। इसकी अक्षांशीय स्थिति 25°N से 25°20'N अक्षांशों के बीच तथा देशांतरीय स्थिति 85°55'E से 86°25'E देशांतरों के बीच है। इसका कुल क्षेत्रफल 1228 वर्ग कि.मी. तथा इसकी कुल जनसंख्या 1000717 (2011) है। यह छह प्रखण्डों में बँट है तथा यहाँ 472 गाँव हैं। पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार लखीसराय देश के सबसे पिछड़े 250 जिलों में शामिल है।

भौतिक लक्षणों के आधाार पर जिले को तीन स्पष्ट भागों में बाँटा जा सकता है। उत्तरी भाग उपजाऊ बाढ़ का मैदान है, जिसका निर्माण गंगा नदी द्वारा किया गया है। यह बड़हिया तथा पिपरिया प्रखण्डों में फैला हुआ है। स्थानीय भाषा में इसे 'तालक्षेत्र' या 'दियारा' कहते हैं। जिले का दक्षिणी तथा दक्षिणी पश्चिमी भाग भी एक समतल मैदान है, जो पुरानी जलोढ़ मिट्टी से बना है। यहाँ धान की अच्छी खेती होती है। यह हलसी, रामगढ़ चौक प्रखण्डों में फैला हुआ है। जिले का दक्षिण–पूर्वी भाग पहाड़ी है। इन पहाड़ियों पर विरल वन मिलते हैं।

जिले की जनसंख्या 1000717 व्यक्ति है। जनसंख्या का लगभग 88: भाग गाँवों में रहता है। जिले की औसत साक्षरता दर 48% तथा लिंगानुपात 921 है। लखीसराय शहर में पालकालि सभ्यता के अवशेष मिले हैं।

आंकड़ों का संग्रह तथा पद्धति (Database and Methodology)

प्रस्तुत शोधपत्र में बिहार राज्य के लखीसराय जिले में अनुसुचित जाति के साक्षरता का अध्ययन किया गया है। इसके निर्माण में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। जिसकी प्राप्ति भारतीय जनगणना 2001, 2011 तथा District census handbook के माध्यम से किया गया है।

साक्षरता दर के निर्धारण में 0–6 आयुवर्ग से उपर की जनसंख्या को शामिल किया गया है।

अर्थात्,

साक्षरता = कुल जनसंख्या – (0–6 आयुवर्ग की संख्या)

साक्षरता में महिला पुरूष असमानता सूचकांक (Male Female Dispasity) के निर्धारण के लिए Sophes's Dispasity Index का संशोधित रूप में प्रयोग किया गया।

Sophess Dispasity Index =

जहाँ x_1 = महिला, x_2= पुरूष इसका संशोधित रूप जो Rao तथा ज्ञनदकं द्वारा संशोधित किया गया है।

जहाँ x_1 = महिला,
x_2= पुरूष

अनुसूचित जाति में साक्षरता दर का वितरण :–

बिहार में अनुसूचित जाति में साक्षरता दर अन्य राज्यों की अपेक्षा कम 26.8% (2001) है। वहीं लखीसराय जिले में इस वर्ग में साक्षरता दर बिहार के औसत साक्षरता दर से भी कम है। जिले के इस वर्ग में औसत साक्षरता मात्र 26.8% (2001) है। साथ ही प्रखण्ड स्तर पर इसका वितरण असमानता लिए हुए हैं। एक ओर सूरजगढ़ा प्रखण्ड में इस वर्ग में सबसे अधिक साक्षरता 32.54% वहीं रामगढ़ चौक प्रखण्ड में इसका स्तर सबसे कम 17.32% है। जिले के चार प्रखण्डों

तालिका – 1
लखीसराय जिला में अनुसूचित जाति साक्षरता का विवरण

लखीसराय जिला के अनुसूचित जाति में साक्षरता का वितरण प्रतिरुप

प्रखण्ड	कुल साक्षरता (%में)	पुरूष (%में)	महिला(%में)
सूरजगढ़ा	32.54	44.33	19.52
पिपरिया	30.59	44.69	15.32
बड़हिया	30.49	40.93	18.39
लखीसरा प्रखण्ड	27.06	38.28	14.56
हलसी	20.63	30.99	9.44
रामगढ़ चौक	17.32	25.57	3.81
लखीसराय(जिला)	26.8	37.76	14.80
बिहार	28.5	41.52	15.57

Source : based on district census Handbook Lakhisarai District, 2001

में साक्षरता का स्तर जिला के औसत स्तर से उच्च है। ये प्रखण्ड हैं, सूरजगढ़ा (32.54%), पिपरिया (30.59%), बड़हिया (30.49%) तथा लखीसराय प्रखण्ड (27.06%) जबकि दो प्रखण्ड ऐसे है जहाँ साक्षरता का स्तर जिला के साक्षरता स्तर से कम है, ये जिले हें, हलसी (20.63%) और रामगढ़ चौक (17.32%)।

इसी तरह यदि तालिका–1 के आधार पर प्रखण्डवार साक्षरता के आंकड़ों की तुलना बिहार राज्य के इसी वर्ग के साक्षरता दर से की जाए तो यह पता चलता है कि जिले के तीन प्रखण्डों सूरजगढ़ा, पिपरिया तथा बड़हिया का साक्षरता दर राज्य के इसी वर्ग के साक्षरता दर से उच्च है, जबकि लखीसराय प्रखण्ड हलसी और रामगढ़ चौक प्रखण्डों में यह राज्य के औसत साक्षरता से निम्न है।

जिले में अनुसूचित जाति के पुरूषों में साक्षरता दर सबसे उच्च पिपरिया प्रखण्ड में 44.69% है। सूरजगढ़ा, बड़हिया तथा लखीसराय में पुरूषों में साक्षरता दर जिले में इसी वर्ग के पुरूष साक्षरता से उच्च है। दूसरी ओर हलसी तथा रामगढ़ चौक प्रखण्ड में पुरूषों में साक्षरता दर जिले के इसी वर्ग में औसत साक्षरता से निम्न है। रामगढ़ चौक प्रखण्ड में पुरूषों में साक्षरता दर सबसे कम 17.32% है।

जिले में अनुसूचित जाति के महिलाओं में साक्षरता 14.80% है। सूरजगढ़ा प्रखण्ड में यह सबसे अधिक 19.52% जबकि रामगढ़ चौक प्रखण्ड में यह सबसे कम 8.81% है। पिपरिया तथा बड़हिया प्रखण्डों में अनुसूचित जाति के महिलाओं में साक्षरता दर जिले के औसत साक्षरता से उच्च जबकि रामगढ़ और हलसी प्रखण्डों में इसका मान इसी वर्ग में जिले के औसत साक्षरता से निम्न है।

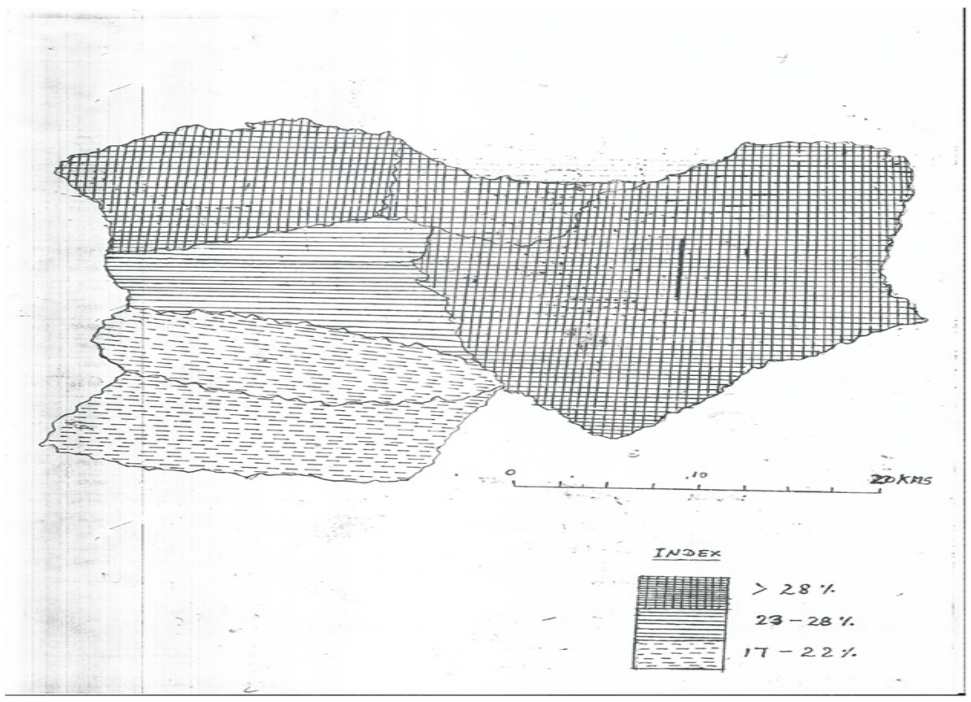

लखीसराय जिला के अनुसूचित जाति में साक्षरता का वितरण

महिला पुरूष साक्षरता में अंतर –

किसी भी क्षेत्र या समाज में महिला–पुरूष साक्षरता का अनुपात उस समाज में स्त्रियों की दशा का महत्वपूर्ण सूचक होता है। प्रायः अच्छा आय स्तर तथा नये विचारों के प्रति सुग्राही समाज में स्त्रियों के शिक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाता है। जबकि निम्न आय स्तर तथा परम्परावादी समाज में महिलाओं के शिक्षण पर विशेष ध्यान नहीं दिया, जिससे ऐसे समाजों में महिला पुरूष साक्षरता का अंतर अधिक होता हैं।

अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति में महिला–पुरूष साक्षरता में अंतर का सूचकांक उच्च है। लखीसराय जिला में इस सूचकांक का मान 0.464 है। प्रखण्ड स्तर पर महिला–पुरूष साक्षरता दरों में अंतर मिलने के कारण इस सूचकांक के वितरण में भी अंतर दिखाई देता है। जिले के तीन प्रखण्डों में इस सूचकांक का मान जिले के औसत सूचकांक से उच्च है। ये प्रखण्ड हैं, हलसी (0.565), रामगढ़ चौक (0.504) तथा लखीसराय प्रखण्ड (0.479)। जबकि
तीन प्रखण्ड ऐसे हैं जहाँ इस सूचकांक का मान जिले के औसत सूचकांक से कम है, सूरजगढ़ा (0.421), बड़हिया (0.377) तथा पिपरिया (0.202)। इस सूचकांक का सबसे अधिक मान हलसी में 0.565 तथा न्यूनतम मान पिपरिया प्रखण्ड में 0.202 है।

इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में महिला–पुरूष साक्षरता सूचकांक में उच्च अंतर मिलता है। 'यह न केवल समाज में महिलाओं के निम्न दशा का द्योतक है अपितु यह आर्थिक–सामाजिक विकास को भी प्रभावित करता है।' (सिंह चौहान, 2010) सामान्य रूप से इसके लिए आर्थिक कारक अधिक जिम्मेवार हैं। समाज में महिलाओं के प्रति लैंगिक पूर्वाग्रह भी उन्हें शिक्षा से दूर रखने का असरदार कारक है। इसके अलावा इस वर्ग में शिक्षा के प्रति उदासीनता तथा जागरूकता का अभाव जैसे कारक भी शामिल हैं। कई वार ऐसा भी देखा गया है कि शिक्षण संस्थाओं के अभाव या उनके दूर में स्थित होने के कारण लड़कियाँ लड़कों की अपेक्षा पढ़ाई से वंचित रह जाती है। अंततः ये सभी कारक मिलजुल कर महिला–पुरूष साक्षरता के अंतर को बढ़ाते हैं।

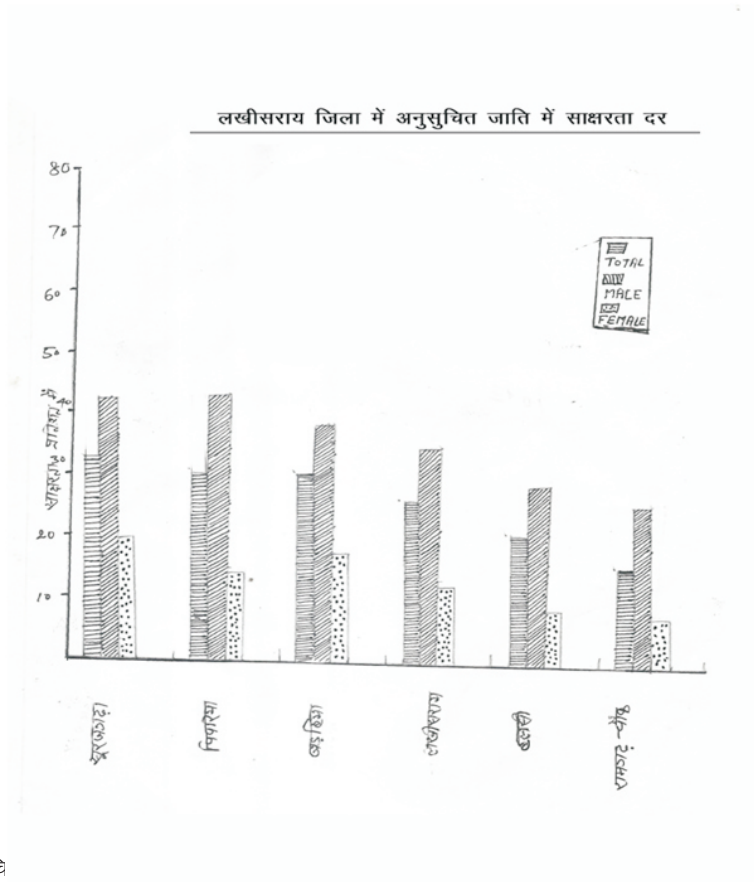

अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचि

(i)इस वर्ग में रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना जिससे उनके आय में वृद्धि हो।
(ii)बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाएँ, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कक्षा उत्तीर्ण होने पर उन्हें एक मुश्त छात्रवृत्ति देना।
(iii)मध्याह्न भोजन योजना को व्यापक बनाना।
(iv)आंगनबाड़ी केन्द्रों को अधिक सशक्त बनाना।
(v)दूसरे वर्ग के बच्चों/अभिभावकों द्वारा इस वर्ग के बच्चों का उत्पीड़न तथा भेदभाव न हो यह सुनिश्चित करना।
(vi)प्रौढ़ साक्षरता में विकास के लिए रात्रि पाठशाला जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।
(vii)शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना।

निष्कर्ष :–

अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति के साक्षरता के वितरण में क्षेत्रीय अंतर मिलता है। साक्षरता का सबसे उच्च मान सूरजगढ़ा प्रखण्ड में 32.54: है जबकि सबसे कम साक्षरता रामगढ़ चौक प्रखण्ड में 17.32% है। दूसरी ओर सभी प्रखण्डों में पुरूषों में साक्षरता दर महिलाओं से उच्च है। महिला–पुरूष में साक्षरता दर महिलाओं से उच्च है। महिला–पुरूष साक्षरता दरों में सबसे अधिक अंतर पिपरिया प्रखण्ड में 29.37 जबकि सबसे कम अंतर रामगढ़ चौक प्रखण्ड में 16.76 है। इसी प्रकार महिला पुरूष साक्षरता में अंतर सूचकांक का सबसे अधिक मान हलसी प्रखण्ड में 0.565 तथा न्यूनतम मान पिपरिया प्रखण्ड में 0.202 है। इससे यह पता चलता है कि जिले में अनुसूचित जाति में साक्षरता दर को सामान्य स्तर पर लाने के लिए विशेष रणनीति की जरूरत है।

REFERENCE *(सन्दर्भ सूची)*

1.चान्दना, आर0 सी0, 2009, जनसंख्या भूगोल कल्याणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2.कुरूक्षेत्र, जुलाई – 2012
3.कुरूक्षेत्र, अगस्त – 2012
4.मानव भूगोल के मूल सिद्धांत, एन0सी0ई0आर0टी0, पे0– 18–22, और 23–30
5.Singh J. and Chauhan A (2010) Leveis of Literacy in Rajasthan The Deccan Geographers, Vol. 48.
6.Dhanwade, S.R. (2008), "Female Education Attainment of Scheduled castes and scheduled tribes : A case study of the walwa tausil", unpublished M phil. Dissertation submitted to the Shivaji University. Kolhapur.

WEBSITE REFERENCES:

1.http://www.gov.bih.nic.in
2.http://www.mapsofindia.com/maps/bihar/bihardistrict.htm
3.http://www.socialjustice.nic.in
4.http://www.rural.nic.in.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net